केयू में दी इंडियन क्लासिक एंड एशियन क्रास ओवर विद जापानी इंस्ट्रुमेंट की प्रस्तुति

# फ्यूजन : जापानी वाद्ययंत्र पर अमेरिकी कलाकार ने भारतीय रागों का छेड़ा तार

भास्कर न्यूज़ | कुरुक्षेत्र

**वाद्ययंत्र** जापानी कोतू था। सामने कलाकार अमेरिकी और जब उनकी अंगुलियां वाद्ययंत्र से खेलने लगी तो भारतीय शास्त्रीय संगीत निकलता देख हर कोई दंग रह गया। न केवल संगीत, बल्कि विशुद्ध भारतीय गायन भी। मौका था केयू आरके सदन में निफा और संगीत विभाग द्वारा आयोजित फ्यूजन कार्यक्रम का। हॉफमैन ने अपने प्रोग्राम इंडियन क्लासिक एंड एशियन क्रॉस ओवर विद जापानी इंस्ट्रूमेंट की प्रस्तुति से खूब समा बांधा।

**संगीत के साथ-साथ गायन से किया दंग :** हॉफमैन ने प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। जापानी वाद्ययंत्र कोतो और शाखुहाची पर उन्होंने कंजटी में झूम-झूम के बरसन लागी बदरिया राग गौड़ माला में काहे हो हमसे प्रीतम प्रस्तुत किया। इसके साथ कोतू वाद्य यंत्र पर राग मुल्तानी, राग भैरवी, जैजैवंती और राग भैरवी की शानदार प्रस्तुति दी। वहीं इसी वाद्य यंत्र पर जापानी कविता प्रस्तुत की। शाकुहांची पर राग अहीर भैरव प्रस्तुत किया। इस पर अशोक शर्मा ने शास्त्रीय गायन किया। उसके बाद हॉफ मैन ने तबला बजाते हुए सितार पर रागपुरीया धनाश्री की संगत की।

**40 सालों से दे रहे प्रस्तुति :** केयू संगीत विभाग की अध्यक्षा डॉ. शचिस्मिता ने बताया कि हॉफमैन पिछले 40 सालों से जापान में रह रहे हैं। लेकिन विभिन्न देशों में इंडियन क्लासिक एंड एशियन क्रॉस ओवर विद जापानी इंस्ट्रूमेंट के तहत अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। कोतू में चार इंस्ट्रूमेंट सितार, सारंगी, संतूर और वीणा का समावेश है।

**जगजीत की गजल से आईजी ने बांधा समा :** कार्यक्रम में मुख्यातिथि आईजी राजबीर देसवाल, केयू डीन एकेडमिक अनिल वोहरा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर अनिल वशिष्ठ, निफा के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रितपाल सिंह पन्नु, संगीत विभाग की चेयरपर्सन प्रो. शचिस्मिता, डॉ. दिनेश दधिचि और लखविंद्रपाल सिंह ग्रेवाल ने दीप प्रज्वलित किया। आई जी देसवाल ने मंच पर जगजीत सिंह की गजल ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो प्रस्तुत कर तालियां बटोरी।

केयू के आरके सदन में नेशनल इंटिग्रेटिड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्टस की ओर से आयोजित फ्यूजन कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार।

फ्यूजन कार्यक्रम का लुत्फ उठाते शिक्षक व अन्य।

## सरस्वती वंदना से शुरुआत

संगीत विभाग के दस स्टूडेंट्स ने डॉ. मुनीष के निर्देशन में तैयार सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। वहीं विभाग के डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. ललित कौशल, डॉ. आशु गौतम ने भी प्रस्तुति दी। मौके पर नितिन शर्मा और मनीष ने सितार और तबले पर संगत की। मौके पर आकाश शर्मा, अरमान सिंह, अमन जून, जोगिंद्र, राहुल सहरावत, मनीष यादव, सोनिया पांचाल और डॉ. मोहित गुप्ता मौजूद थे।